मंगलदाता कृपासिन्धु

शब्द-रचना व संगीत-रचना : गुरुमाई चिद्विलासानन्द

मंगलदाता कृपासिन्धु। जय गणेश जय गणेश।

मोदकप्रिय सिद्धिविनायक। जय गणेश जय गणेश॥

मांगल्य के प्रदाता, कृपा के सागर,
भगवान श्रीगणेश की जय हो!
वे जिन्हें मोदक अतिप्रिय हैं,
जो समस्त सिद्धियों के स्वामी हैं,
और जो विघ्नहर्ता यानी बाधाओं को दूर करने वाले हैं,
ऐसे भगवान श्रीगणेश की जय हो!

© २०२१ एस. वाय. डी. ए. फ़ाउन्डेशन®। सर्वाधिकार सुरक्षित।